भारत में विशेष आर्थिक क्षेत्र

Name-______________________________

Class- ____________ Roll No.______________

Section-____________

विशेष आर्थिक क्षेत्र

- विशेष आर्थिक क्षेत्र अथवा सेज़ (एसईजेड) उस विशेष रूप से पारिभाषित भौगोलिक क्षेत्र को कहते हैं, जहां से व्यापार, आर्थिक क्रिया कलाप, उत्पादन तथा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को किया जाता है। यह क्षेत्र देश की सीमा के भीतर विशेष आर्थिक नियम कायदों को ध्यान में रखकर व्यावसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए विकसित किए जाते हैं।

- भारत उन शीर्ष देशों में से एक है, जिन्होंने उद्योग तथा व्यापार गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से ऐसी भौगोलिक इकाईयों को स्थापित किया। इतना ही नहीं, भारत पहला एशियाई देश है, जिसने निर्यात को बढ़ाने के लिए सन 1965 में कांडला में एक विशेष क्षेत्र की स्थापना की थी। इसे निर्यात प्रकिया क्षेत्र (एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग ज़ोन/ईपीजेड) नाम दिया गया था।

मुख्य उद्देश्य

1 अतिरिक्त आर्थिक गतिविधियों का संचालन

2 वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को प्रोत्साहन

3 स्वदेशी और विदेशी स्रोतों से निवेश को प्रोत्साहन

4 रोजगार के अवसरों का सृजन

5 आधारभूत सुविधाओं का विकास

भारत में 6 विशेष आर्थिक क्षेत्र काम कर रहे हैं। उनके नाम इस प्रकार हैं:-

- कांडला विशेष आर्थिक क्षेत्र
- कोच्चि विशेष आर्थिक क्षेत्र- इस क्षेत्र के अधीन 93 इकाइयां काम कर रही हैं।

- मद्रास विशेष आर्थिक क्षेत्र
- विशाखापत्तनम विशेष आर्थिक क्षेत्र- इस क्षेत्र के अधीन 106 इकाइयां कार्यरत हैं

- फालटा विशेष आर्थिक क्षेत्र
- इस क्षेत्र के अधीन 6 इकाइयां कार्यरत हैं

- नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र
- इस क्षेत्र के अधीन 20 इकाइयां कार्यरत हैं.

फालटा विशेष आर्थिक क्षेत्र

- पूर्वी राज्य पश्चिमी बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 55 किलोमीटर दूर फाल्टा में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र-सेज़ स्थित है, जिसके पश्चिम की ओर हुगली नदी बहती है।
- दक्षिण 24 परगना जिले में सेज़ की स्थापना के साथ यह स्थान सड़क नेटवर्क, दो बंदरगाहों और एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ भली-भांति जुड़ा हुआ है।
- दिन-रात जलापूर्ति, निर्बाधित बिजली आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ फाल्टा सेज़ निवेशकों को सरलीकृत प्रक्रियाओं के साथ एक वास्तविक समर्थक वातावरण प्रदान करता है।

फाल्टा क्षेत्र में चार बेजोड़ इकाइयां

- विक्रम सोलर प्रा. लि., जे वी गोकल एंड कंपनी प्रा. लि., कार्बाइड कटिंग टूल्स प्रा. लि., और चेविअट कंपनी प्रा. लिमिटेड।
- ये इकाइयां बेजोड़ हैं, क्योंकि रोजगार के अवसर पैदा करने और स्थानीय लोगों को उनमें शामिल करने.
- ये इकाइयां ऐसे उत्पाद बनाती हैं जो पारिस्थितिकी के अनुकूल और जैव-अपघटनीय हैं
- इसके अलावा वे पर्यावरण संरक्षण के अनेक उपायों को भी अंजाम देती हैं।

विक्रम सोलर प्रा. लि. सोलर फोटोवोलटैइक मोड्यूल्स

- वर्ष 2006 में स्थापित विक्रम सोलर प्रा. लि. सोलर फोटोवोलटैइक मोड्यूल्स और प्रणालियों के विनिर्माण एवं बिक्री में संलग्न है, जो स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा पैदा करने में सक्षम हैं, अत: यह कंपनी पर्यावरण के स्थायी विकास में योगदान कर रही है। इसने अपने को पर्यावरण निष्पादन में सुधार की एक अनवरत प्रक्रिया के साथ भी जोड़ा है और कर्मचारियों को समुचित प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रणालियां भी विकसित की हैं। वर्ष 2010 में विक्रम ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज ने फाल्टा सेज़ में 100 करोड़ रुपये की लागत से 25 मेगावाट सोलर फोटोवोल्टैइक मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र का शुभारंभ किया। विक्रम सोलर अपने हरित उत्पादों के लिए बेजोड़ मानी जाती है और भारत में एकमात्र कंपनी है जो मॉड्यूलों में इस्तेमाल से पहले सेल्स के लिए इलेक्ट्रोलूमनेसन्स का इस्तेमाल करती है।

जे वी गोकल एंड कंपनी प्रा. लि.

- जे वी गोकल एंड कंपनी प्रा. लि. 60 वर्ष पुरानी भारतीय चाय निर्यात कंपनी है जो महिलाओं को सर्वाधिक रोजगार देने के लिए प्रसिद्ध है। कंपनी ने 2006 में फाल्टा में अपने प्रचालन का विस्तार किया। भारत की पांच प्रमुख चाय निर्यात कंपनियों में से एक समझी जाने वाली यह कंपनी मूल्य संवर्द्धित चाय पैकेजिंग कार्यों में 80 प्रतिशत महिलाओं को काम पर रखती है।

इंडस्ट्रियल कटिंग्स टूल्स

- इंडस्ट्रियल कटिंग्स टूल्स के विनिर्माण और निर्यात में संलग्न, कार्बाइड कटिंग टूल्स (सीसीटी) प्रा. लि. की स्थापना सेज़ में की गई है, जिसमें 125 कर्मचारी ड्रिल्स, एंडमिल्स और विभिन्न प्रकार के अन्य विशेष टूल्स के निर्माण में लगे हैं। अप्रैल-मार्च 2012 की अवधि में सीसीटी का वार्षिक कारोबार 18.06 करोड़ रुपये का था, जिसके संपूर्ण भाग को कंपनी ने फाल्टा सेज़ में निष्पादित किया है। सीसीटी का संबंध ओएसजी जापान के साथ होने से इसे विश्व स्तरीय अनुसंधान और विकास का लाभ प्राप्त होता है जिससे यह सर्वोत्कृष्ट डिजाइन एवं गुणवत्ता वाली कंपनियों में से एक है। इसके उत्पादों के अंतिम इस्तेमालकर्ताओं में अन्य के अलावा बोइंग, होंडा, जनरल मोटर्स, एलएंडटी, अशोक लेलैंड और टाटा शामिल हैं।

चेविअट कंपनी प्रा. लिमिटेड

- चेविअट कंपनी प्रा. लिमिटेड बारीक पटसन धागे की प्रमुख विनिर्माता और निर्यातक कंपनियों में से एक है। 2003 में कंपनी ने फाल्टा सेज़ में शतप्रतिशत निर्यातोन्मुखी इकाई लगायी। कपंनी अच्छी क्वालिटी का औद्योगिक फैब्रिक्स बनाने के लिए परम्परागत पटसन धागे का इस्तेमाल करती है। चेविअट के पास अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं हैं, और इसके सभी उत्पाद पारिस्थिकी अनुकूल और जैव अपघटीय हैं।

सफलता

- इस प्रकार सरकार विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम के माध्यम से वांछित उपलब्ध्यिां हासिल करने में सफल रही है। सेज़ कार्यक्रम की सफलता का पता इस तथ्य से चलता है कि विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश का प्रवाह बढ़ा है और इनमें रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा हुए हैं। सेज़ कार्यक्रम ने घरेलू और विदेशी दोनों   ही निवेशकों को आकर्षित किया है। प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा करने, नई गतिविधियों को अंजाम देने, उपभोग पद्धति और सामाजिक जीवन में बदलाव तथा शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य मानव विकास सुविधाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हुए फाल्टा सेज़ और इसी तरह के अन्य सेज़ स्थानीय इलाकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में सफल रहे हैं।

THANK YOU